एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

शीत ऋतु की सब्जियों का कीटो से बचाव के उपाय

(*मनीषा वर्मा, पूनम, राजेश मीणा एवं जगदीश प्रसाद राठोर)
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
* manishaverma9079@gmail.com

शरद कालीन सब्जियों (फूल गोभी, बंदगोभी, ब्रोकली, मूली, गाजर, आदि) में होने वाले कीटों के आक्रमण से इनके उत्पादन में लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक की कमी होती है | साथ की साथ गुणक्ता को भी प्रभावित करती है | इन सब्जियों में लगने वाले अधिकतर कीट नवम्बर से फरवरी माह तक नुकसान पहुँचाते है |

कीट निम्न प्रकार के है |

(1) **डायमण्ड–बैंक मौथ:**– इस कीट का प्रयोग मुख्व्यत: गोभीवर्गीय सब्जियों शलजम व मूली में होता है | इस कीट की सुडियाँ हरे रंग की होती है | जो पत्तियों को हिलाने पर धागे जैसी सरंचना की सहायता से नीचे लटक जाती है | इस कीट की सुडियाँ पौधो के पत्तो को सुखाकर खाती है और पत्तो पर गोल सुराख बना देती है |

(2) **बंदगोभी की सुंडी**: – इस कीट की सुंडी नीले रंग की होती है | जिस पर पीली धारियाँ काले धब्बे और सफेद बाल होते है | आरंभिक अवस्था में ये सुडियाँ झुंड में रहकर पत्तो को खाती हुई पूरे खेत में फैल कर पत्ते को छलनी करती है | इस कीट की सुडियाँ ठंडे मौसम में ही होती है |

(3) **तम्बाकू की सुंडी:**– आमतौर पर तम्बाकू गोभीवर्गीय सब्जियों में पाया जाता है | इस कीट की छोटी अवस्था की सुडियाँ एक ही पत्ते पर काफी तादाद में सुमूह में दिखाई देती है | उसके बाद ये सारे खेत में फैल जाती है | यें सुडियाँ बंदगोभी के फूल के अंदर घुसकर पत्तो को खाती है |

(4) **फली छेदक कीट:**– इस कीट की सुडियाँ मट्ट की फलियों में घुसकर बन रहे दोनो को खाती है | फली छेदक कीट के वयस्क पंतगे मध्यम आकार के पीले–भूरे व स्लेटी–भूरे रंग के होते है | मटर की फसल में इस कीट का प्रकोप नवम्बर से आरम्भ होकर मार्च तक रहता है |

(5) **चेपा:**– इस कीट के शिशु व व्यस्क पौधो से रस चूसते है | पत्तो की नीचे की फसल पर मिलने वाले इस कीट का आक्रमण भी नवम्बर से मार्च तक रहता है | ऐसे ही कूबड़ा कीट व पेंडिग बम भी हानी पहुँचाता है |

(6) **प्याज का चुरडा कीट:**– इसके छोटे–छोटे कीट प्याज व लहसुन की फसल को बहुत नुकसान पहुँचाते है | इस कीट द्वारा रस चूसने के कारण पत्तो पर सफेद धब्बे पड जाते है |

समन्वित कीट प्रबंधन से करे रोकधाम:– डायमण्ड बैंक मोथ कीट की रोकधाम के लिए 400 ग्राम बैसीलस यूरिनाजिएसिस (बायोआप्स) घु.पा. 300 मि.ली डायजिनान (नूवान) 76 ई.सी या 400 मि.ली मैलाथियान 50 ई.सी को 200–250 लीटर पानी में घोलकर एक एकड़ में छिड़के |अगला छिड़काव 10 दिन के अंतर पर करें |

= तम्बाकू की सुंडी, बंद गोभी की सुंडी, यूरडा कीट व चेपा की रोकधाम के लिए 400 मि.ली मैलाधियान 50 ई.सी को 200–250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़के तथा 10 दिन के अंतर पर अगला छिड़काव करे |

= मटर के फलीछेदक कीट की रोकधाम के लिए 60 मि.ली साइपरमेंथिन 25 ई.सी को 200–250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़के तथा जरूरत पड़ने पर अगला छिड़काव 15 दिन में करें |

= प्याज तथा लहसुन में चुरडा कीट की रोकधाम के लिए 75 मि.ली फैनचारेट 20 ई.सी या 175 मि.ली डेल्टामेथिन 2.8 ई.सी को 200–250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ में छिड़के | जरूरत पड़ने पर 10–15 दिन में छिड़काव दोहरायँ |